RNI-NO.MPHIN/2015/64585

रणजीत टाइम्स
साप्ताहिक अख़बार

संपादक-गोपाल गावंडे

वर्ष - 10 अंक-45 इन्दौर , प्रति मंगलवार, 05 दिसम्बर से 11 दिसम्बर 2023 पृष्ठ-8 मूल्य -2

INDIA गठबंधन में चल क्या रहा? 2024 के लिए मिल गए ये पांच संकेत

पांच राज्यों के चुनावी नतीजों के बाद इंडिया गठबंधन की ये पहली बैठक होगी. इंडिया गठबंधन की बैठक में क्या होगा? सहमति बनेगी या नए मतभेद और मनभेद उभरकर सामने आएंगे, ये तो वक्त बताएगा. 3 राज्यों में बंपर जीत के बाद बीजेपी को 24 वाला बूस्टर मिल गया है।

तीन राज्यों में बीजेपी की प्रचंड जीत के बाद इंडिया गठबंधन की नीति और रणनीति में आगे क्या बदलाव होगा, सवाल ये भी कि क्या इसमें कांग्रेस का कद वही रहेगा जो चुनावी नतीजों से पहले था, क्या इंडिया गठबंधन के सभी सदस्यों का रवैया वही रहेगा जो चुनावी नतीजों से पहले था, या फिर नतीजों के बाद नए सिरे से समीकरण सेट होंगे? खैर ऐसे सवालों के बीच आपको बता दें कि 6 दिसंबर को INDIA गठबंधन की चौथी बैठक दिल्ली में होगी।

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने विपक्ष के सभी 28 दलों को मीटिंग के लिए बुलाया है. पांच राज्यों के चुनावी नतीजों के बाद इंडिया गठबंधन की ये पहली बैठक होगी. इस बैठक में चुनाव नतीजों पर मंथन किया जा सकता है. इंडिया गठबंधन की बैठक से पहले पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने कहा है कि मुझे इंडिया गठबंधन की बैठक को लेकर जानकारी नहीं है. हो सकता है पार्टी में किसी को बताया गया हो, लेकिन मुझे बैठक की मीटिंग की जानकारी नहीं है।

28 विपक्षी दलों ने विधानसभा चुनावों पर रणनीति बनाई

आपको बता दें अबतक इंडिया की बैठकों में ममता बनर्जी मौजूद रही हैं. ऐसे में सवाल है कि इस बयान के मायने क्या हैं? कांग्रेस के साथ संबंध को लेकर समाजवादी पार्टी के नेता अखिलेश यादव ने भी बड़ी बात कही है. इंडिया अलायंस की पिछली बैठक 31 अगस्त-1 सितंबर तक मुंबई में हुई थी. मीटिंग में अलायंस ने 5 कमेटियों का गठन किया था. इनमें कैंपेन कमेटी, कोऑर्डिनेशन और स्ट्रैटजी कमेटी, मीडिया, सोशल मीडिया और रिसर्च कमेटी शामिल हैं. इस बैठक में 28 विपक्षी दलों ने विधानसभा चुनावों पर रणनीति बनाई थी, लेकिन अब इन राज्यों के परिणाम आ चुके हैं. हालात बदल चुके हैं, ऐसे में अगली बैठक और रणनीति काफी अहम होने वाली है.इंडिया गठबंधन की बैठक में क्या होगा? सहमति बनेगी या नए मतभेद और मनभेद उभरकर सामने आएंगे ये तो वक्त बताएगा. फिलहाल 5 राज्यों के चुनावी नतीजों से 2024 के लोकसभा चुनाव को लेकर कुछ संकेत मिलने लगे हैं, जिसकी गंभीरता को विपक्ष को समझना चाहिए।

पांच राज्यों के चुनाव से 2024 के लिए क्या संकेत हैं?

पहला क्लियर संकेत- प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ही लोकसभा चुनाव में सबसे बड़ा फैक्टर होने वाले हैं।

दूसरा संकेत- 3 राज्यों में बंपर जीत के बाद बीजेपी को 24 वाला बूस्टर मिल गया है।

तीसरा संकेत- तीन राज्यों की हार के बाद अब शायद कांग्रेस मोदी बनाम राहुल वाला नैरेटिव 24 के चुनाव में नहीं सेट कर पाएगी।

चौथा संकेत- INDIA गठबंधन में कांग्रेस के लिए कांटे और बढ़ेंगे और उसे अब क्षेत्रीय दल और चुनौती देंगे।

पांचवा संकेत- एमपी राजस्थान में बीजेपी के हिंदू कार्ड हिट होने के बाद लोकसभा चुनाव में हिंदुत्व का मुद्दा और बड़ा हो जाएगा।

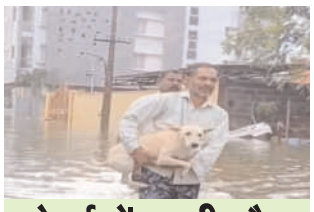

चेन्नई में 9 की मौत, TN ने केंद्र से मांगे 5000 करोड़ AP के लिए अगले कुछ घंटे बेहद खतरनाक

तटीय आंध्र प्रदेश में अधिकतर स्थानों पर हल्की से मध्यम वर्षा होती रहेगी। तटीय आंध्र प्रदेश और यानम में मंगलवार को दूर दराज के स्थानों पर अत्यधिक भारी वर्षा होने और कुछ स्थानों पर भारी से बहुत भारी वर्षा होने का अनुमान है।

आंध्र प्रदेश के तटीय इलाके के लिए अगले कुछ घंटे बेहद खतरनाक है। ड्डस्ड्ड के अनुसार, गंभीर चक्रवाती तूफान 'मिगजौम' 90-100 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से अगले चार घंटे के दौरान बापटला के समीप दक्षिणी आंध्र प्रदेश तट को पार करेगा। इससे पहले इस तूफान ने तमिलनाडु और पुडुचेरी में कहर बरपाया था। ड्डस्ड्ड ने अभी भी उत्तरी तटीय तमिलनाडु और पुडुचेरी में अधिकतर स्थानों पर हल्की से मध्यम बारिश और कुछ स्थानों पर भारी बारिश होने की संभावना जताई है। चक्रवात 'मिगजौम' के कारण चेन्नई और आसपास के जिलों में सोमवार को बाढ़ ने तबाही मचाई दी जिससे जनजीवन बाधित हो गया।

खालिस्तानी आतंकी लखबीर सिंह रोडे की पाकिस्तान में मौत, भारत में कई हमलों में था उसका हाथ

लखबीर सिंह रोडे के भाई और पूर्व अकाल तख्त जत्थेदार जसबीर सिंह रोडे ने उनकी मौत की पुष्टि की।

भारत से भागकर पाकिस्तान में रह रहा प्रतिबंधित संगठनों खालिस्तान लिबरेशन फोर्स (चस्न्न) और इंटरनेशनल सिख यूथ फेडरेशन (ड्डस्ङ्घस्न) का स्वयंभू प्रमुख लखबीर सिंह रोडे की कथित तौर पर पाकिस्तान में मौत हो गई है। वह 72 वर्ष का था। मारे गए खालिस्तानी आतंकवादी जरनैल सिंह भिंडरावाले के भतीजे, लखबीर सिंह को यूए(पी)ए के तहत एक 'व्यक्तिगत आतंकवादी' के रूप में सूचीबद्ध किया गया था और वह पाकिस्तान भाग गया था। लखबीर सिंह के भाई और अकाल तख्त के पूर्व जत्थेदार जसबीर सिंह रोडे ने उसकी मौत की पुष्टि की।

शुरू में वह दुबई गया था, बाद में पाकिस्तान में बस गया था-जसबीर सिंह ने द इंडियन एक्सप्रेस को बताया, मुझे मेरे भाई लखबीर सिंह रोडे के बेटे ने सूचना दी है कि उसकी पाकिस्तान में दिल का दौरा पड़ने से मौत हो गई। उसका अंतिम संस्कार वहीं कर दिया गया है। वह बहुत ज्यादा डायबेटिक रोगी था। उसके दो बेटे, एक बेटी और पत्नी कनाडा में रहते हैं। मोगा के गांव रोडे का मूल निवासी लखबीर सिंह शुरू में दुबई भाग गया था। बाद में वह पाकिस्तान चला गया, लेकिन अपने परिवार को कनाडा में रखा। 2002 में भारत ने पाकिस्तान से 20 आतंकवादियों की सूची सौंपकर उनके प्रत्यर्पण की मांग की थी।

इंटरनेशनल सिख यूथ फेडरेशन ने कई देशों में खोली थी शाखाएं

केंद्र सरकार के दस्तावेज़ के अनुसार लखबीर सिंह पर यूनाइटेड किंगडम, जर्मनी, कनाडा और संयुक्त राज्य अमेरिका के विभिन्न स्थानों पर आईएसवाईएफ (ड्डस्ङ्घस्न) ने अपने चैप्टर खोले। लखबीर सिंह कथित तौर पर पंजाब में आतंकवादी गतिविधियों को अंजाम देने और कई वीवीआईपी और राजनीतिक नेताओं को निशाना बनाने के लिए सीमा पार से हथियारों और विस्फोटकों की खेप भारत भेजने में लगा हुआ है। हाल के वर्षों में उस पर पंजाब में हमले कराने के लिए गैंगस्टरों को नियुक्त करने का आरोप लगाया गया था।

चंद्रयान-3 के प्रोपल्शन मॉड्यूल ने किया कमाल! अर्थ की ऑर्बिट में वापस लौटा, ISRO ने बताया फायदा

चंद्रयान-3 को लेकर एक बड़ी खबर आई है। अब चंद्रयान-3 के प्रोपल्शन मॉड्यूल ने कमाल किया है। चंद्रयान-3 के प्रोपल्शन मॉड्यूल ने अपने मिशन को सफलतापूर्वक पूरा कर लिया है और पृथ्वी की कक्षा में वापस लौट गया है।

इसरो ने क्या कहा?

इसरो ने बताया, एक अनूठे प्रयोग के तहत चंद्रमा की कक्षा में चक्कर लगा रहे चंद्रयान-3 का प्रोपल्शन मॉड्यूल वापस धरती की कक्षा में लौट आया है.इसरो ने इस सफलता के फायदे भी बताये हैं। इसरो ने बताया कि प्रोपल्शन मॉड्यूल को मून से अर्थ की कक्षा में वापस लाने से आने वाले मिशन की योजना तैयार करने में मदद मिलेगी। हालांकि इस मॉड्यूल के लिए सॉफ्टवेयर भी तैयार किया जा रहा है।

अर्थ के ऑब्जर्वेशन के लिए SHAPE पेलोड को जारी रखने के लिए प्रोपल्शन मॉड्यूल को पृथ्वी कक्षा में फिर से स्थापित करने का निर्णय लिया गया। इस मिशन योजना को टकराव से बचने के लिए तैयार किया गया था। प्रोपल्शन मॉड्यूल को चंद्रमा की सतह पर दुर्घटनाग्रस्त होने या प्रवेश करने से रोकना भी लक्ष्य था। पृथ्वी की तश्वह बेल्ट 36,000 किमी पर है और उसके नीचे कक्षाएं हैं।

चंद्रयान -3 मिशन का प्राथमिक उद्देश्य चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुवीय क्षेत्र के पास सॉफ्ट लैंडिंग करना और विक्रम लैंडर और प्रज्ञान पर उपकरणों का उपयोग करके प्रयोग करना था। चंद्रयान को 14 जुलाई को LVMx-My से लॉन्च किया गया था। 23 अगस्त को विक्रम लैंडर ने चंद्रमा पर अपनी ऐतिहासिक लैंडिंग की और उसके बाद प्रज्ञान रोवर को तैनात किया गया। मौजूदा समय में प्रोपल्शन मॉड्यूल पृथ्वी के चक्कर लगा रहा है। इसने 22 नवंबर को 1.54 लाख किमी की दूरी पर स्थित पहली पेरिजी को पार कर लिया था। इसरो ने बताया कि इस कक्षा में रहने की अवधि 13 दिन की है।

संपादकीय

महिला अग्निवीरों की शिरकत से और सशक्त हुई भारतीय नौसेना

आत्मनिर्भर भारत के दृष्टिकोण और जलीय निगरानी तंत्र में स्वदेशी जहाज, पनडुब्बी, आईएनएस विक्रांत, जलीय विमान, यूएवी यानी मानव रहित हवाई वाहन, हमारी नौसेना की ताकत हैं। उनकी सुरक्षा अभेद है। पलक झपकते ही दुश्मन को पानी में डुबोने की हिम्मत रखती है। नौसेना बलों की उपलब्धियां और राष्ट्र में उनके योगदान का वर्णन जितना किया जाए, उतना कम होगा। इसलिए भारत में ही नहीं, पूरे वर्ल्ड में हमारी नौसेना की वाहवाही होती है। इसलिए क्योंकि वह दिनों दिन अपने नए-नए प्रयोगों से नित नई ऊंचाइयां छू रही है। इस कड़ी में अब एक और नया अध्याय जुड़ गया है। नौसेना में आधी आबादी ने दस्तक दे दी है। इसी सीजन में एक हजार 'अग्निवीर महिला सैनिक' नौसेना में शामिल हुई हैं जिससे इस टुकडी की न सिर्फ ताकत बढ़ी, बल्कि उनके अनुशासन कार्यान्वयन में भी क्रांतिकारी परिवर्तन आना शुरू हुआ। आज 'नौसेना दिवस' है इस बार ये दिन इसलिए भी खास है क्योंकि इसमें अब महिलाओं की भी सहभागिता सुनिश्चित हो गई है। नौसेना में पहली मर्तबा 'नौसैनिक पोत' पर महिला कमांडिंग अधिकारी को नियुक्त किया गया। सरकार का ये कदम निश्चित रूप से अकल्पनीय और सराहनीय है। महिला सशक्तिकरण में भारत ने एक और कदम आगे बढ़ा दिया है।

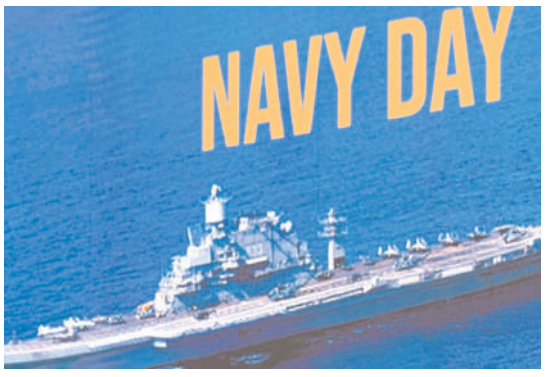

संपादक-
गोपाल गावंडे

बहरहाल, आत्मनिर्भर भारत के दृष्टिकोण और जलीय निगरानी तंत्र में स्वदेशी जहाज, पनडुब्बी, आईएनएस विक्रांत, जलीय विमान, यूएवी यानी मानव रहित हवाई वाहन, हमारी नौसेना की ताकत हैं। उनकी सुरक्षा अभेद है। पलक झपकते ही दुश्मन को पानी में डुबोने की हिम्मत रखती है। नौसेना के इतिहास और आज के खास दिवस की बात करें, तो उसका एक सुनहरा युग हमने व्यतीत किया है। सन् 1971 के इंडो-पाक युद्ध के दौरान 'ऑपरेशन ट्राइडेंट' के शुरू होने कीं याद में हमारी सेना प्रत्येक वर्ष 4 दिसंबर को 'नौसेना दिवस' का पर्व मनाती है। इंडियन नेवी की पूर्ण स्थापना की जहां तक बात है तो श्रीगणेश 1612 में हुआ। जब ईस्ट इंडिया कंपनी ने 'रायल इंडियन नेवी' नाम से अपनी सेना बनाई थी। उस वक्त ईस्ट इंडिया कंपनी ने अपने कमर्शियल शिपों की सुरक्षा को ध्यान में रखकर इस सैन्य का गठन किया था। पर, आजादी मिलने के बाद स्वतंत्र व्यवस्था ने 1950 में भारतीय नौसेना के रूप में पुनर्गठित कर दिया।

नेवी डे समुद्री सीमाओं को सुरक्षित सहजने और जलीय ऑपरेशन व मिशनों को मुकम्मल करने के तौर पर भी याद किया जाता है। बंदरगाह की यात्राओं, विभिन्न देशों की नौसेनाओं के साथ संयुक्त अभ्यास, परोपकारी मिशनों, समुद्री किनारों को सुरक्षा देना और अंतरराष्ट्रीय संबंधों को बनाए रखने की जिम्मेदारी भी इन्हीं कंधों पर होती है। नौसेना की अकल्पनीय भूमिका पर तो चर्चाएं होती ही है, उनकी देश भक्त निष्ठा जनमानस को सेना के प्रति आदर-सम्मान करना भी सिखाती है। देश का कोई ऐसा शख्स नहीं जिसे अपनी सेना पर गर्व न होता हो। नौसेना भारतीय सशस्त्र बलों की समुद्री प्रभाग है, जिसमें राष्ट्रपति कमांडर-इन-चीफ के रूप में कार्य करता है।

बहरहाल, नौसेना के समझ इस वक्त कुछ चुनौतियां खड़ी हुई है। वो चुनौती चीन दे रहा है। दरअसल, चीन हमारे समुद्री क्षेत्र में घुसपैठ करने की फिराक में कई समय से घात लगाए बैठा हुआ है। ये सच है कि सेना से वास्ता रखने वाली ज्यादातर सूचनाएं सार्वजनिक नहीं की जाती, इसलिए कि इंटरनल सुरक्षा का ख्याल रखा जाता है। फिर भी अगर कोई सूचना सेना द्वारा देशवासियों को दी जाए, तो समझ लेना चाहिए, मामला गंभीर है। नौसेना को सूचना मिली है कि हिंद प्रशांत में चीन कभी भी कोई बड़ी गड़बड़ी कर सकता है। ये बात पिछले ही सप्ताह खुद नौसेना प्रमुख एडमिरल आर हरि कुमार ने बताई। मसला वास्तव में गंभीर है, हल्के में नहीं लिया जा सकता। चीन हिंद महासागर में अपनी सैन्य शक्तियों के माध्यम से भारतीय जलीय परिक्षेत्र में आक्रमण करने के मूड में है। हालांकि, कुछ एशिया देशों ने तो घुटने टेक भी दिए हैं। पाकिस्तान के जल क्षेत्र में वो खुलकर मनमानी कर रहा है। लेकिन उसकी भारतीय क्षेत्र में हिम्मत नहीं हो रही। उनको पता है भारतीय नौसेना उनका बुरा हाल कर देगी।

भारतीय नौसेना दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी नौसेना मानी जाती है। इसलिए चाइना इंडियन नौसेना की ताकत को अच्छे से जानता-समझता है। जलीय महासागरों का इस्तेमाल किसी भी राष्ट्र की वैध आर्थिक आकांक्षाओं के लिए होता है। इस लिहाज से देखें तो चीन के पास आर्थिक गतिविधियों के लिए हिंद महासागर क्षेत्र में मौजूद रहने का एक वैध कारण है। पर, हिंद महासागर क्षेत्र में क्षेत्रीय नौसैनिक शक्ति के रूप में, वहां क्या हो रहा है, इस पर भारतीय नौसेना अगर नजर रखती है तो चीन चिड़ता है। वो चाहता, उसकी कोई पहरेदारी न करे, समुंद्री संपदा पर दंबगई से राज करता रहे। पाकिस्तान, ताइबान, नेपाल आदि मुल्क शांत रहते हैं, वैसी ही उम्मीद चीन भारत से करता है। लेकिन, भारतीय नौसैनिक हमेशा चौकन्नी रहती है। चीन भी जानता है कि उनकी छोटी सी भूल पर ही भारतीय सैनिक उनको नेस्तनाबूद कर देंगे। इसलिए चीन फूंक-फूंक कर कदम रखता है। भारतीय नौसैनिकों को 'जल प्रहरी' भी कहा जाता है, क्योंकि वो जल मार्ग की सुरक्षा में हमेशा मुस्तैद रहते हैं। वैसे, आज नौसेना दिवस पर चीन की निगाहें हमारी नौसैनिक प्रदर्शन पर गड़ी रहेगी। भारतीय नौसेना अपनी पश्चिमी कमान से लबरेज विभिन्न किस्म के जहाजों और नाविकों को इकट्ठा करके सामूहिक जश्न मनाएगी। उत्सव के दौरान, नौसेना दिवस की गतिविधियों का समन्वय पूर्वी नौसेना कमान, विशाखापत्तनम द्वारा होगा। युद्ध स्मारक पर पुष्पांजलि समारोह के अलावा, नौसेना के उप-जहाज, विमान और अन्य बल एक व्यावहारिक प्रदर्शन में अपने कौशल और ऊर्जा का प्रदर्शन करेंगे। आज के दिन नौसेना अपने युद्धपोतों व विमानों को एर्नाकुलम में प्रदर्शनी महोत्सव आयोजित करके आम जनों को भी दिखाने का सुअवसर देती है जिसमें नेवी बॉल्स, नेवी क्वींस और अन्य प्रतियोगिताएं आयोजित होती हैं।

राजनीति

क्या मोदी को अपशब्द कह कर और गाली देकर ही राहुल गांधी को मिल सकता है पीएम पद

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर विपक्ष की ओर से हो रहे हमलों के मुद्दे पर चर्चा की गयी। लोकतंत्र में इस बात में कुछ गलत नहीं है कि कोई राजनीतिज्ञ किसी अन्य राजनीतिज्ञ की नीति और विचारधारा से सहमत नहीं हो और उस आधार पर उसे नापसंद करे और उसका विरोध करे लेकिन देश के प्रधानमंत्री पद पर जो व्यक्ति बैठा है उसके खिलाफ अमर्यादित बातें कहना सर्वथा अनुचित है। इसके अलावा जिस तरह प्रधानमंत्री के गृह राज्य गुजरात को निशाना बनाया जा रहा है वह तो और भी गलत है। एक राज्य की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी का यह कहना एक राज्य के प्रति नफरत फैलाने के समान है कि अगर क्रिकेट विश्व कप का फाइनल मैच कोलकाता या मुंबई में खेला जाता तो भारत जीत जाता।

19 नवंबर को भारतीय टीम को विश्व कप के फाइनल मुकाबले में ऑस्ट्रेलिया से हार मिली। इससे सभी को दुख हुआ। खिलाड़ी भी दुखी थे, देश का हर नागरिक दुखी था। लेकिन खिलाड़ी उससे बाहर निकले। वह अगले मुकाबले की तैयारी करने लगे। लेकिन राजनीतिक दल इसमें भी राजनीति करने से भी बाज नहीं आए। उन्होंने साफ तौर पर कहा कि कहीं ना कहीं प्रत्यक्ष अथवा अप्रत्यक्ष रूप से जो इस विश्व कप को लेकर बातें कही गई उसमें टारगेट पर गुजरात ही रहा है। उन्होंने कहा कि जिस तरीके से ममता बनर्जी ने बयान दिया है, उससे साफ तौर पर जाहिर होता है कि वह एक विशेष राज्य के प्रति नफरत फैलाने की कोशिश कर रही है। उन्होंने कहा कि गुजरात में भयंकर भूकंप के बाद से तरक्की का मार्ग देखा है। गुजरात ने मेहनत किया। ईमानदारी से मेहनत किया और आज वह देश के विकसित राज्यों में से एक है जबकि बंगाल जैसे राज्य आज कई मामलों में पीछे दिखाई पड़ते हैं। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि इसके लिए ममता बनर्जी को अंतरात्मा में झांकना होगा कि हमसे कहां और कब गलती हुई है।

प्रधानमंत्री पद के गरिमा होती हैं और इसको लेकर अगर आप पनौती और जेबकतरा जैसे शब्दों का इस्तेमाल करते हैं तो यह वाकई देश की राजनीति के लिए दुर्भाग्यपूर्ण है। राहुल गांधी को किसी भी कीमत पर इस तरह के भाषा का प्रयोग नहीं करना चाहिए क्योंकि उनके परिवार से तीन लोग प्रधानमंत्री रह चुके हैं और उन्हें प्रधानमंत्री पद की गरिमा का पता होना चाहिए। उन्होंने कहा कि जिस तरीके से राहुल गांधी ने जब खतरा और पनौती जैसे शब्दों का इस्तेमाल किया, उससे साफ तौर पर जाहिर होता है कि वह प्रधानमंत्री पद पाने के लिए आतुर तो जरूर है लेकिन उनके मन में इस पद के लिए कोई सम्मान नहीं है। नीरज दुबे ने यह भी उदाहरण दिया कि राहुल गांधी ने तत्कालीन प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह सरकार द्वारा ले गए विधेयक को भी फाड़ दिया था और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के लिए आप लगातार अपशब्दों का इस्तेमाल करते रहते हैं और आपने 2019 का पूरा का पूरा चुनाव चौकीदार चोर है का नारा देकर लड़ा था। इससे जाहिर होता है कि प्रधानमंत्री पद को लेकर आप गंभीर नहीं है।

इंडिया गठबंधन फिलहाल अस्तित्व में नजर नहीं आ रहा है। हर पार्टी के अपने-अपने दांव हैं और शायद कांग्रेस पांच राज्यों के जो चुनावी नतीजे आएंगे उसके बाद कुछ अपना अलग प्लान करेगी। उन्होंने कहा अखिलेश यादव पहले ही इंडिया गठबंधन की ओर से जिन एंकरों को बैन किया गया था उनके प्रोग्राम में अपने प्रवक्ताओं को भेजने लगे हैं। वह लगातार कांग्रेस पर हमलावर है। नीतीश कुमार भी कांग्रेस से खुश नहीं है। उधर एमके स्टालिन भी एक अलग एक गणित बनाने की कोशिश कर रहे हैं। ममता बनर्जी पहले भी नहीं चाहते थीं कि कांग्रेस से गठबंधन में हो। तो ऐसे भी इंडिया गठबंधन का अस्तित्व कहां बचा है। क्षेत्रीय दलों को इस बात की पूरी संभावना है कि कांग्रेस मजबूत हुई तो उनका आदर कमजोर हो सकता है।

इंदौर बिजली कंपनी कर्मचारी की मौत पर संशय

हत्या-हादसे की आशंका के बीच फुटेज और कॉल डिटेल पर टिकी जांच,अब तक नहीं मिली बाइक-जैकेट

इंदौर के बांगड़दा में रहने वाले बिजली कंपनी कर्मचारी की 28 नवंबर को हुई मौत की गुत्थी अब तक नहीं सुलझी है। इस मामले में लगभग एक सप्ताह बाद भी पुलिस खाली हाथ है। मृतक की बाइक और जैकेट ढूंढने में भी पुलिस अब तक नाकाम रही है। इधर, इकलौते बेटे की मौत के बाद पिता और परिवार ने उसकी हत्या का संदेह जताया है।

एमआर-4 रेलवे क्रासिंग के नजदीक पिछले सोमवार की रात विनय पुत्र नेमीचंद ठाकुर घायल अवस्था में रेलवे पटरी के पास बेसुध हालत में पड़ा मिला था। उसे रेलकर्मियों ने घायल देखा तो अस्पताल पहुंचा दिया। देर रात यहां उसकी मौत हो गई।

पिता नेमीचंद इस मामले में शुरुआत में ही हत्या की आशंका व्यक्त कर रहे हैं। बिजली कंपनी में काम करने वाले बेटे से रात साढे 12 बजे उनकी आखिरी बार बात हुई। लेकिन उसके बाद रात डेढ़ बजे उसकी मौत की खबर आई।

मृतक के विजय नगर स्थित एक दुकान से नाश्ता कर निकलने के फुटेज भी मिले हैं। बताया जा रहा है कि उक्त दुकान उसके किसी दोस्त की ही है। जिसके बाहर पान दुकान का काउंटर है, जहां मृतक खड़ा हुआ दिखाई दिया है। इसके बाद रेलवे क्रासिंग के पास सुनसान इलाके में उसका शव तो मिला, लेकिन बाइक और जैकेट अब तक नहीं मिली है। पुलिस अब कॉल डिटेल के आधार पर जांच कर रही है।

बाइक का अभी तक पता नहीं, कॉल डिटेल बुलवाई

मृतक विनय की बाइक हादसे वाली जगह पर नहीं मिलने से पुलिस को लूट के लिए हमला करने की आशंका है। हालांकि उसका मोबाइल पैंट की जेब में ही मिला है। परिवार के मुताबिक रेलवे पटरी के पास से करीब पांच किलोमीटर तक बाइक की तलाश की गई। लेकिन वह गायब है।

वहीं मृतक ने एक जैकेट पहना था, वह भी उसके शरीर पर नहीं मिला। इधर, पुलिस अफसरों ने बाइक नहीं मिलने के बाद घटनास्थल के आसपास स्थित कंपनियों के सीसीटीवी फुटेज खंगालने के भी निर्देश दिए हैं।

विजय नगर में दोस्त की शॉप पर फुटेज में दिखा

विनय ठाकुर ने रात में पिता से बात कर आधे घंटे में घर आने की बात कही थी। पुलिस ने और जानकारी निकाली तो वह विजय नगर में दोस्त की शॉप पर नाश्ता करने गया था। रात 11 बजकर 35 मिनट पर मृतक दुकान के बाहर लगे कैमरों में पान दुकान के काउंटर पर खड़ा दिख रहा है।

इसके बाद यहां से बाइक लेकर चला गया। उसके कंधे पर सफेद रंग का मफलर भी डला था, वह भी पुलिस को घटना स्थल या आसपास नहीं मिला। बताया जाता है कि जिस जगह हादसा हुआ, वहां से करीब सौ मीटर दूरी पर ही रेलवे कर्मचारी रहते हैं। इस मामले में कॉल डिटेल और फुटेज देखने के बाद ही बाकी की स्थिति स्पष्ट हो पाएगी।

सुसाइड करने वाले निगम ठेकेदार के भाई का आरोप

अफसरों ने 20 करोड़ रोके तो कर्ज में डूब गए, निगमायुक्त ने कहा- हर 15दिन में पैसे दिए

इंदौर नगर निगम के लिए सबसे ज्यादा काम करने वाले 65 वर्षीय ठेकेदार अमरजीतसिंह पप्पू भाटिया निवासी रेसकोर्स रोड ने रविवार दोपहर एसिड पीकर जान दे दी। इसका खुलासा सोमवार सुबह हो पाया। भाई सुख्खी भाटिया का आरोप है कि निगम ने 20 करोड़ का भुगतान रोक रखा था। बावजूद इसके वर्क ऑर्डर पूरे करने के लिए अफसर ब्लैक लिस्ट करने की धमकी दे रहे थे। इससे वे परेशान थे। 600 कर्मचारियों के वेतन व 225 से ज्यादा गाड़ियों का मेंटेनेंस मुश्किल हो गया था।

बिजनेस चलाने के लिए बाजार से ब्याज पर पैसे लेने को विवश हो गए थे। इसी के दबाव में आकर उन्होंने खुदकुशी कर ली। जनवरी में हुए प्रवासी भारतीय सम्मेलन के दौरान किए गए कार्य को लेकर पूर्व सिटी इंजीनियर के साथ विवाद की बात भी सामने आई है। निगम अफसरों का दावा है कि सात माह में उन्हें 22 करोड़ का भुगतान किया गया था। करीब दो करोड़ तो कुछ दिन पहले ही दिए गए थे। 14 करोड़ के बिल प्रक्रिया में थे।

भाई पम्मी भाटिया व अन्य परिजन का कहना है कि वे समाजजन के साथ निगम का घेराव करेंगे। दीपावली के पहले भी नगर निगम में करोड़ों का भुगतान रोके जाने को लेकर ठेकेदारों ने हंगामा किया था। आचार संहिता के पहले कुछ पार्षदों ने भाटिया से काम शुरू करने के लिए बात की तो परेशान होकर यही गुहार लगाई थी कि मेरा भुगतान दिला दीजिए। कर्ज बहुत हो गया है।

काया का 5-10 फीसदी ही दे रहे थे

भाई सुक्खी ने आरोप लगाया कि प्रवासी भारतीय सम्मेलन में उनसे करोड़ों का काम कराया। जब बात करते निगम से कुल बकाया का 5-10 फीसदी ही दे रहे थे। दूसरी तरफ अफसर वर्क ऑर्डर पूरा करने का दबाव बना रहे थे। काम नहीं करने पर ब्लैक लिस्ट करने की धमकी दे रहे थे।

ठगी करने वाली अंतरराज्यीय गैंग का सरगना गिरफ्तार

400 लोगों को रोज फोन करवाता था, हजारों ग्राहकों के क्रेडिट कार्ड का संपूर्ण डेटा मिला

क्रेडिट कार्ड पर रिवार्ड पॉइंट रिडीम करने के नाम पर ठगी करने वाली अंतरराज्यीय गैंग के सरगना को क्राइम ब्रांच ने गिरफ्तार किया है। आरोपी एक दिन में 400 लोगों को ठगने का टारगेट रखता था। उसकी गैंग देशभर के लोगों को बैंक अफसर बनकर कॉल करती थी। फिर ओटीपी या सीवीवी लेकर ऑनलाइन फ्राड करती थी।

एडिशनल डीसीपी क्राइम ब्रांच राजेश दंडोतिया के अनुसार आरोपी का नाम शिवम पिता पवन कुमार (23) निवासी मोहन गार्डन दिल्ली, स्थायी निवासी जयपुर है। कुछ दिन पहले फरियादी रूपेश जैन ने शिकायत की थी कि उसे आईसीआईसीआई बैंक के क्रेडिट कार्ड रिवार्ड पॉइंट रिडीम करने का बोलकर एक बदमाश ने 29,261 रुपए की ठगी। इस पर टीम ने जांच की थी। तकनीकी रूप से जांच बाद पुलिस आरोपी तक पहुंच गई। उसे रविवार रात गिरफ्तार कर लिया।

क्रेडिट कार्ड सेल्स की फ्रेंचाइजी ले रखी, इसलिए निजी जानकारी मिल जाती थी

आरोपी ने कबूला कि उसने हेलोमनी इंडिया प्राइवेट लिमिटेड नामक कंपनी से फ्रेंचाइजी ले रखी है, इसके अंतर्गत क्रेडिट कार्ड सेल्स का काम किया जाता है। इसके मार्फत उसने इंडसइंड, एयू बैंक, ईडीएफसी, एचडीएफसी, आरबीएल बैंकों की फ्रेंचाइजी ले रखी है।

नियमानुसार हेलोमनी इंडिया के साथ काम करने वाले एक व्यक्ति को 70 लोगों का डेटा मिलता है, जिसमें ग्राहकों के नाम, मोबाइल नंबर, बैंकों के क्रेडिट कार्ड के पोर्टल आईडी व पासवर्ड के साथ अन्य निजी जानकारी रहती थी। इसके बाद संबंधित व्यक्ति बैंक ग्राहकों को फोन कर क्रेडिट कार्ड आप्लाय करने के लिए समझाता है। लेकिन, शुभम ने जानकारी का दुरुपयोग शुरू कर दिया, वह और उसकी गैंग लोगों को फर्जी लिंक भेजकर ठगी करने लगे। साथ ही अन्य गैंग को प्रति व्यक्ति के हिसाब से रुपए लेकर डेटा भी बेचने लगे, ताकि वे भी ठगी कर सकें।

आरोपी ने फरियादी रूपेश जैन को लिंक भेजी थी। रूपेश ने जैसे ही लिंक को क्लिक किया, आरोपी ने उनके खाते से 29 हजार रुपए निकाल लिए। आरोपी के मोबाइल और लैपटॉप में देशभर के कई शहरों के लोगों का डेटा मिला है। उसे और भी राज्यों की पुलिस खोज रही है।

इलेक्ट्रीशियन की सड़क हादसे में मौत

दोस्त के साथ बाइक से घर लौट रहा था, मिक्सर वाहन ने मारी टक्कर

इंदौर के चंदन नगर इलाके में एक इलेक्ट्रीशियन की सड़क हादसे में मौत हो गई। शाम को बाइक से घर आते समय उन्हें एक मिक्सर वाहन ने टक्कर मार दी। इस हादसे में उन्होंने मौके पर ही दम तोड़ दिया। पुलिस के मुताबिक घटना नावदा पंथ की है। चंदन नगर पुलिस ने टक्कर मारने वाले वाहन को जब्त किया है।

हरिवंश पुत्र रामविलास मदेसिया निवासी दिलीप नगर अपने साथी संतोष के साथ घर की तरफ बाइक से सोमवार शाम आ रहे थे। सामने से आ रहे एक मिक्सर वाहन ने उनहें जोरदार टक्कर मारी। इस हादसे में हरिवंश की मौत हो गई। जबकि संतोष घायल हुआ है।

परिवार के मुताबिक वह एक गांधी नगर के नावदा रोड पर एक होटल में लाईट फीटिंग का काम कर रहे है। वहीं से दोनों वापस आ रहे थे। तभी हादसे का शिकार हो गए। परिवार के लोगो के मुताबिक हरिवंश मूल रूप से उत्तर प्रदेश के रहने वाले है। परिवार में तीन भाई ओर तीन बहनें हैं। हरिवंश की शादी को तीन साल हो गए हैं। पत्नी उत्तरप्रदेश में ही परिवार के लोगों के साथ रहती है।

स्थापित करना होगा आत्मसम्मान

में अपना आत्मसम्मान स्थापित करना होगा और हमें अपना सम्मान करना होगा और हमें दूसरों का सम्मान करना होगा।. क्योंकि आप सभी संत हैं और संतों को लोगों का सम्मान करना है ... मैं हर समय बात कर रहा हूं ।. इसलिए आपको संतों का सम्मान करना होगा कि आप एक संत हैं और दूसरा संत है।. मैं हमेशा नामदेव का उदाहरण देता हूं।. नामदेव एक दर्जी, महान कवि और एक महान संत थे।. और वह एक और देखने गया, जिसका नाम गोरा कुम्हार था।. और जब वह खुम्बर बर्तन उसे देखने गया, तो गोरा खुम्बर बर्तन बनाने के लिए मिट्टी बुनाई में व्यस्त था, देखिए, अपने पैरों से वह मिट्टी बुन रहा था।. उसने उसकी तरफ देखा।. जब उसने उसकी तरफ देखा, तो वह बिना सोचे-समझे खड़ा हो गया।. और फिर वह जो शब्द इतना सुंदर कहता है, उसने कहाः मैं निरकारा, निर्वाण, विचार ... निराकार, कंपन का अर्थ देखने आया हूं।. मैं कंपन देखने आया था, लेकिन यहाँ यह रूप में है, खड़ा है ह्न।

क्या प्रशंसा, क्या आराधना, एक संत से दूसरे में जिसने कभी दूसरे व्यक्ति को नहीं देखा।. लेकिन मैं इस पूरे निरकारा को देखता हूं, निर्वाण तुम्हारे रूप में है।.ह्नबस इसके बारे में सोचो।. और यही हमें होना है।. लेकिन अगर हम दूसरे सहजा योगियों पर भरोसा नहीं कर सकते, तो हम एक-दूसरे से प्यार नहीं कर सकते, हम एक-दूसरे को समझ नहीं सकते कि इसका मतलब है कि हम कुछ कम हैं, दूसरों की तुलना में कम हैं।. कुछ लोगों को हर समय आलोचना करने की आदत होती हैः श्यह सब ठीक नहीं हैश्।. वे यह नहीं देखते हैं कि उनके भीतर कुछ गलत है जो वे दूसरों की आलोचना कर रहे हैं।.

इसलिए सहजा योग में आलोचना करने का कोई मौका नहीं है, पहली बात यह है कि आपको खुद देखना चाहिए कि आप क्या हैं और आप कहां खड़े हैं और आप सबसे पहले खुद की मदद कैसे करने जा रहे हैं।. तब आप दूसरों की मदद कर सकते हैं।. लेकिन दूसरों पर आलोचनात्मक नजर डालने की कोई जरूरत नहीं है।. क्योंकि तब आप कुछ भी नहीं के लिए अच्छे हो जाते हैं, आपने सभी बुरे काम किए हैं, आप अन्य लोगों में सभी बुरी चीजें देखते हैं और जो आप विकसित करते हैं वह एक गैर-सामूहिक व्यक्तित्व है, जो हमारे लिए ऐसा सिरदर्द है और अंततः आपको करना होगा सहजा योग से बाहर जाओ।.

श्री माताजी निर्मला देवी।
12 मार्च, 1990।

50 साल बाद मालव्य राजयोग समेत बन रहे ये 3 राजयोग, 2024 शुरू होने से पहले इन राशियों की पलटेगी किस्मत, होगा अपार धनलाभ

वैदिक ज्योतिष अनुसार 50 साल बाद 3 राजयोग बन रहे हैं। जिससे कुछ राशियों के अच्छे दिन शुरू हो सकते हैं...

ज्योतिष पंचांग के मुताबिक ग्रह समय- समय पर राशि परिवर्तन करके शुभ योग और राजयोग बनाते हैं। जिसका असर सीधेतौर पर मानव जीवन और देश- दुनिया पर पड़ता है। आपको बता दें कि दिसंबर में 3 राजयोग का निर्माण हुआ है। यह राजयोग मंगल, शनि देव ने बनाएं हैं। जिसमें मंगल ग्रह रूचक राजयोग बनाया है। वहीं शनि देव शश राजयोग, शुक्र ग्रह मालव्य राजयोग का निर्माण किया है। जिससे कुछ राशियों की किस्मत चमक सकती है। साथ ही इन राशियों को आकस्मिक धनलाभ हो सकता है। आइए जानते हैं ये लकी राशियां कौन सी हैं-

तुला राशि- तीन राजयोगों का बनना आप लोगों को शुभ साबित हो सकता है। क्योंकि आपकी राशि के स्वामी जो कि स्थान बली हैं और उन्होंने एक मालव्य राजयोग बनाया है। साथ ही शनि देव आपकी गोचर कुंडली के पंचम भाव पर स्थित हैं। साथ ही उन्होंने शश और केंद्र त्रिकोण राजयोग भी बनाया है। साथ ही शनि और शुक्र का नवपंचम राजयोग। बनाया है। इसलिए इस समय आपको आकस्मिक धनलाभ हो सकता है। साथ ही फंसा हुआ धन मिलेगा। वहीं इस समय आपको किस्मत का लाभ मिलेगा। वहीं व्यापारियों को अच्छा लाभ होगा। इस समय आपकी इच्छाओं की पूर्ति होगी। साथ ही आप इस समय नया काम शुरू करते हैं।

मकर राशि -आप लोगों के लिए तीन राजयोगों का बनना अनुकूल सिद्ध हो सकता है। क्योंकि आपकी गोचर कुंडली में मालव्य और केंद्र त्रिकोण राजयोग बना हुआ है। वहीं फाइनेंस के घर पर शनि देव विराजमान हैं। साथ ही कर्म भाव पर शुक्र ग्रह स्थित हैं। इसलिए करियर में कोई उपलब्धि मिल सकती है। साथ ही करियर में लाभ हो सकता है। योजनाएं सफल होंगी। वहीं कार्यों को गति मिलना और पारिवारिक सपोर्ट मिलेगा। वहीं आपके लिए जीवन में कमाई करने के कई मौके आएंगे और आपको शुभ लाभ होगा। मकर राशि के लोग पहले से अधिक धन की बचत कर पाएंगे।

कुंभ राशि-तीन राजयोग का बनना आप लोगों को शुभ फलदायी सिद्ध हो सकता है। क्योंकि आपकी गोचर कुंडली में एक मालव्य राजयोग और केंद्र त्रिकोण राजयोग साथ ही गुरु और शुक्र का समसप्तक राजयोग की दृष्टि बन रही है। वहीं भाग्य स्थान पर शुक्र और लग्न पर शनि देव विराजमान हैं। इसलिए इस समय आपके कार्य सिद्ध होंगे। साथ ही मनोकामनाओं की पूर्ति होगी। वहीं जो कार्य आप कर रहे हैं उसमें आपको लाभ होगा और आपके जीवन में सकारात्मक प्रभाव बढ़ेंगे। वहीं इस समय व्यापारयों को अच्छा धनलाभ होगा।

ढूंढ रहे हैं वजन घटाने का सबसे आसान तरीका? सुबह की चाय को इन ड्रिंक्स से कर दें रिप्लेस, महीने भर में दिखने लगेगा असर

दिन की शुरुआत दूध वाली चाय, कॉफी या चीनी डाले गए जूस से करने से आप पहले ही अधिक कैलोरी इंटेक कर लेते हैं, जो वेट लॉस के प्रोसेस में बाधा बन सकता है। आज की बदलती जीवनशैली और उसपर अनहेल्दी खाना खाने की आदत अधिकतर लोगों को मोटापे का शिकार बना रही है। यही वजह है कि आज लाखों लोग वेट लॉस करने के तरीके खोजने में लगे हैं। इसके लिए जहां कुछ जिम या योग का सहारा लेते हैं, तो कुछ घर पर ही डाइटिंग के साथ खुद को फिट बनाने में जुटे हुए हैं। हालांकि, अगर आप भी बढ़ते वजन से परेशान हैं और इसे कम करने के लिए ना तो जिम के लिए समय निकाल पा रहे हैं और ना ही स्ट्रिक्ट डाइट फॉलो कर पाते हैं, तो ऐसी स्थिति में ये आर्टिकल आपके लिए मददगार साबित हो सकता है।हेल्थ एक्सपर्ट्स बताते हैं कि जिस तरह खानपान में गड़बड़ी के चलते वजन तेजी से बढ़ता है, ठीक उसी तरह कुछ हेल्दी चीजों के सेवन से इसे कम करने में भी मदद मिल सकती है। खासकर अगर आप अपने दिन की शुरुआत सही खानपान के साथ करते हैं, तो ये अधिक फायदेमंद साबित हो सकता है। इसी कड़ी में इस लेख में हम आपको 5 ऐसी ड्रिंक्स बता रहे हैं, जिनका खाली पेट सेवन करने से आपको फैट से फिट बनने में मदद मिल सकती है। हालांकि, इसके लिए आपको सुबह की चाय या कॉफी से दूरी बनानी होगी, साथ ही अगर आप सुबह के समय जूस पीते हैं, तो इससे भी परहेज करें। दिन की शुरुआत दूध वाली चाय, कॉफी या चीनी डाले गए जूस से करने से आप पहले ही अधिक कैलोरी इंटेक कर लेते हैं, जो वेट लॉस के प्रोसेस में बाधा बन सकता है। ऐसे में वजन कम करने के लिए सबसे पहले बेड टी, कॉफी या जूस को डेली रूटीन से हटा दें।

करें इन ड्रिंक्स की शुरुआत

ग्रीन टी

आप दूध की चाय से अलग ग्रीन टी के साथ अपने दिन की शुरुआत कर सकते हैं। कई रिसर्च में साबित हुआ है कि ग्रीन टी मेटाबॉलिज्म को बूस्ट करने में सहायक है, जो सीधे तौर पर बढ़ते वजन पर काबू पाने में मददगार हो सकता है।

मेथी का पानी

इसके लिए रात के समय एक मुट्ठी मेथी दाना को एक गिलास सादे पानी में भिगाकर रख दें और सुबह खाली पेट इस पानी का सेवन करें। आप चाहें तो सुबह पानी को हल्का गुनगुना भी कर सकते हैं। मेथी दाना में भरपूर मात्रा में फाइबर और प्रोटीन पाया जाता है, जो वेट लॉस जर्नी में कमाल का असर दिखाते हैं। प्रोटीन फूड क्रेविंग को कम करने में मदद करता है, तो फाइबर आपको जल्दी भूख नहीं लगने देता है। ऐसे में दिन की शुरुआत मेथी दाना के पानी पीकर करने पर आप ना केवल ओवर ईटिंग पर कंट्रोल कर पाते हैं, बल्कि इस पानी में मौजूद फाइबर आपके पाचन को बढ़ावा देकर भी शरीर पर चर्बी नहीं बढ़ने देता है।

चिया सीड्स का पानी

चिया सीड्स के साथ वेट लॉस को लेकर कई रिसर्च में पॉजिटिव दावे देखने को मिले हैं। ऐसे में आप इसे अपने मॉर्निंग रूटीन का हिस्सा बना सकते हैं। इसके लिए रात के समय दो चम्मच चिया सीड्स लेकर एक गिलास सादे पानी में भिगो दें, सुबह तक ये सीड्स पानी के अंदर जैली जैसे नजर आने लगेंगे, तब इनका सेवन करें। चिया सीड्स में भरपूर मात्रा में फाइबर मौजूद होता है, जो लंबे समय तक आपको पेट भरे होने का अहसास दिलाता है, पाचन को बढ़ावा देता है और इस तरह आपका वजन संतुलन में रहता है।

अदरक का पानी

खासकर सर्दी के मौसम में अदरक का पानी अधिक फायदा पहुंचा सकता है। इसके लिए एक ताजे अदरक के टुकड़े को कद्दूकस कर एक गिलास पानी में उबाल लें। पानी के हल्का गुनगुना होने पर घूंट-घूंट कर इसका सेवन करें। अदरक का पानी कोर्टिसोल के उत्पादन को कम करने में मदद करता है। वहीं, कोर्टिसोल एक ऐसा स?ट्रेस हार्मोन है, जो पेट के आस-पास फैट जमा करने के लिए जिम्मेदार होता है। ऐसे में अदरक के पानी का सेवन वेट लॉस करने में आपकी मदद कर सकता है।

गुनगुने पानी में शहद

एक गिलास गुनगुने पानी में एक चम्मच शहद मिलाकर पीने से आपको दिनभर मीठा खाने की क्रेविंग नहीं होती है। वहीं, डाइट से शुगर की कटोती सीधे तौर पर वजन को कंट्रोल में रखती है। इसके अलावा गुनगुने पानी में शहद मेटाबॉलिज्म बूस्ट करने में भी सहायक है। इस तरह भी ये ड्रिंक बढ़ते वजन को कंट्रोल करने में आपकी मदद कर सकती है।

शाहरुख की डंकी का ड्रॉप 4 हुआ रिलीज, जानें हार्डी पास हुआ या फेल

नई दिल्ली । डंकी ड्रॉप 4, दर्शकों को इस साल की मच अवेटेड फिल्म की एक झलक दिखाता है. इस फिल्म को स्टोरी टेलर और निर्देशक राजकुमार हिरानी ने बनाया है. फिल्म में सभी के दिलों की धड़कन कहे जाने वाले शाहरुख खान नजर आने वाले और उनके साथ फिल्म में स्क्रीन शेयर करते हुए तापसी पन्नू, बोमन ईरानी, विक्की कौशल, विक्रम कोचर और अनिल ग्रोवर हैं. आज डंकी ड्रॉप 4 रिलीज किया गया है, जो राजकुमार हिरानी की खूबसूरत दुनिया की एक खास झलक पेश करता है. ट्रेन में शाहरुख के साथ शुरुआत, आगे आने वाले रोमांच के लिए माहौल तैयार करती है. यह वीडियो बहुत ही प्यारे किरदारों को पेश करता है, जिनकी शुरुआत हार्डी के साथ होती है, जिसे शाहरुख खान निभा रहे हैं. वह पंजाब के एक खूबसूरत गांव में पहुंचता है और मिलता है मनु, सुखी, बग्गू, और बल्ली जैसे एक ऊर्जावान दोस्तों के समूह से. उन सभी का एक जैसा सपना है, लंदन जाने का, बेहतर अवसरों की तलाश में, और अपने परिवार को बेहतर जीवन देने के लिए.

इस दिलचस्प कहानी में सभी अलग-अलग भावनाओं को एक फ्रेम में समेटा गया है, जो चार दोस्तों की अद्वितीय यात्रा का हिस्सा है. इस यात्रा में चुनौतियों और जीवन को बदल देने वाले अनुभवों से भरा है।. राजकुमार हिरानी, जो अपनी असाधारण कहानी कहने के लिए जाने जाते हैं, प्रशंसकों को एक तूफानी यात्रा पर ले जाने के लिए तैयार हैं, जिसकी शुरुआत शाहरुख खान के जन्मदिन पर डंकी ड्रॉप 1 से हुई, उसके बाद डंकी ड्रॉप 2 में अरिजीत सिंह की सुरीली आवाज का टाइटल लुट पुट गया था.

डंकी ड्रॉप 3 में सोनू निगम की आवाज में दिल को छू लेने वाले गाने निकले थे कभी हम घर से के साथ हमारे दिल की धड़कनों को और बढ़ा दिया है, यह एक इमोशनल कर देने वाली धुन है, जो घर वापसी की भावनाओं पर रोशनी डालता है. डंकी ड्रॉप 4, दोस्ती और प्यार की परतों को खूबसूरती से उजागर करता है जो दर्शकों को डंकी रूट के जरिए एक थ्रिलिंग सफर पर ले जाता है - वो रास्ता जिससे ये दोस्त अपनी मंजिल तक पहुंचने की कोशिश करते हैं. ट्रेलर का अंत एसआरके के ओल्डर अवतार की झलक के साथ होता है, जो हमें और ज्यादा जानने के लिए उत्सुक कर देता है.

जियो स्टूडियोज, रेड चिलीज़ एंटरटेनमेंट और राजकुमार हिरानी फिल्म्स की प्रस्तुति, डंकी का निर्माण राजकुमार हिरानी और गौरी खान द्वारा किया गया है. अभिजात जोशी, राजकुमार हिरानी और कनिका ढिल्लन द्वारा लिखित यह फिल्म 21 दिसंबर 2023 को दुनिया भर में रिलीज होगी.

एनिमल ने इंटरनेशनल बॉक्स ऑफिस पर जमाई धाक, हॉलीवुड फिल्मों को पछाड़ा, बनी सबसे बड़ी फिल्म

रणबीर कपूर की एनिमल थिएटर्स में जो शोले भड़का रही है, उसका तापमान ग्लोबल बॉक्स ऑफिस तक पहुंच गया है. भारत में बॉक्स ऑफिस पर भौकाल जमा रही रणबीर कपूर की फिल्म ने हॉलीवुड फिल्मों को पीछे छोड़ दिया है. बीते वीकेंड में ये ग्लोबल बॉक्स ऑफिस पर सबसे बड़ी फिल्म रही.

इंडियन बॉक्स ऑफिस पर धाक जमा रही %एनिमल% का कमाल, इंटरनेशनल लेवल तक पहुंच चुका है. तीन दिन में बॉक्स ऑफिस पर कमाई का पहाड़ खड़ा करने वाली रणबीर कपूर की फिल्म ने हॉलीवुड फिल्मों को भी पीछे छोड़ दिया है. 1 से 3 दिसंबर वाले वीकेंड में, %एनिमल% इंटरनेशनल बॉक्स ऑफिस पर सबसे बड़ी फिल्म बन चुकी है. और रणबीर इस वीकेंड के सबसे बड़े ग्लोबल स्टार.

डायरेक्टर संदीप रेड्डी वांगा की %एनिमल% में रणबीर कपूर ने पहली बार एक खूंखार गैंगस्टर का किरदार निभाया है. उनका ये अवतार जनता में इतना पॉपुलर हो रहा है कि भारत में तो रिलीज के पहले ही, ढेर सारे थिएटर्स में फिल्म के वीकेंड शोज भर चुके थे. रविवार को तो ये हाल ये था कि थिएटर जाने का प्लान कर रहे लोगों को टिकट मिलने मुश्किल थे.

रणबीर के करियर का सबसे बड़ा ओपनिंग कलेक्शन लेकर आई %एनिमल% धुआंधार कमाई कर रही है और भारत में सिर्फ 3 दिन में इसने 200 करोड़ रुपये से ज्यादा नेट कलेक्शन कर लिया है. इस फिल्म की कामयाबी का धमाका अब इंटरनेशनल बॉक्स ऑफिस पर भी गूंज रहा है।

सूर्यकुमार ने जारी रखी धोनी की प्रथा, सीरीज जीतने के बाद रिंकू-जितेश को सौंपी ट्रॉफी

ट्रॉफी लेने के बाद सूर्या सीधे रिंकू सिंह और जितेश शर्मा के पास पहुंचे जो चैंपियन प्लेकार्ड के ठीक पीछे और सभी खिलाड़ियों के बीच में खड़े थे। रिंकू और जितेश ने साथ मिलकर ट्रॉफी उठाई। भारत ने पांचवें टी20 में ऑस्ट्रेलिया को छह रन से हरा दिया। इस जीत के साथ पांच मैचों की टी20 सीरीज टीम इंडिया ने 4-1 से अपने नाम की। यह बतौर कप्तान सूर्यकुमार यादव की पहली टी20 सीरीज थी और उसी में उन्होंने जीत हासिल की। सीरीज जीतने के बाद जब सूर्यकुमार यादव को ट्रॉफी थमाई गई तो उन्होंने महेंद्र सिंह धोनी द्वारा चालू की गई प्रथा को कायम रखा और सीरीज में शानदार प्रदर्शन करने वाले युवाओं को ट्रॉफी सौंप दी। इसका वीडियो खूब वायरल हो रहा है और लोग सूर्या के जेस्चर की तारीफ भी कर रहे हैं।

दरअसल, ट्रॉफी लेने के बाद सूर्या सीधे रिंकू सिंह और जितेश शर्मा के पास पहुंचे जो चैंपियन प्लेकार्ड के ठीक पीछे और सभी खिलाड़ियों के बीच में खड़े थे। रिंकू और जितेश ने साथ मिलकर ट्रॉफी उठाई। दोनों बेहद खुश दिखे। रिंकू ने जहां इस सीरीज में पांच पारियों में 52.50 की औसत और 175 के स्ट्राइक रेट से 105 रन बनाए, वहीं जितेश शर्मा को आखिरी दो टी20 खेलने का मौका मिला और उन्होंने 29.50 की औसत और 168.57 के स्ट्राइक रेट से 59 रन बनाए। दोनों मैचों में उन्होंने आखिर में छोटी मगर महत्वपूर्ण पारियां खेलीं। रिंकू ने अपने मैच फिनिशिंग स्किल से सभी को प्रभावित किया।

मैच के बाद सूर्यकुमार यादव ने कहा कि यह एक अच्छी सीरीज थी। जिस तरह से लड़कों ने अपनी स्किल दिखाई वह सराहनीय था। हम निडर होकर खेलना चाहते थे। मैंने अपने खिलाड़ियों से कहा था कि जो भी सही हो वो करो और बस अपने खेल का आनंद लो और उन्होंने वैसा ही किया। इससे बहुत खुश हूं। अगर वॉशिंगटन सुंदर इस मैच में खेलते होते तो यह एक ऐड-ऑन होता। चिन्नास्वामी में 200+ का पीछा करना आसान है। 160-175 यहां एक ट्रिकी स्कोर है। 10 ओवर के बाद मैंने लड़कों से कहा कि यह मैच अब टक्कर की होगी।

सूर्या ने कहा- सीरीज जीतकर अच्छा लग रहा है। बतौर कप्तान सीरीज जीतना अच्छा है और लाइफ में एक नया एंगल आया है। मैंने अर्शदीप सिंह को देखा है मुश्किल परिस्थिति में गेंदबाजी करते हुए और फ्रेंचाइजी क्रिकेट में काफी बार उन्होंने डेथ ओवर में गेंदबाजी की है। इसलिए मैंने उनका ही ओवर आखिरी के लिए बचाकर रखा था। टी20 क्रिकेट सब लोग बोलते हैं कि बल्लेबाजों का गेम है। बल्लेबाज तो मैच जिताते ही हैं, लेकिन गेंदबाज आपको सीरीज जिताते हैं।

मैच में क्या हुआ?

ऑस्ट्रेलिया के कप्तान मैथ्यू वेड ने टॉस जीतकर गेंदबाजी का फैसला किया। भारत ने 20 ओवर में आठ विकेट पर 160 रन बनाए। भारत के लिए यशस्वी ने 15 गेंद में एक चौका और दो छक्के की मदद से 21 रन, जितेश शर्मा ने 16 गेंद में तीन चौके और एक छक्के की मदद से 24 रन, अक्षर पटेल ने 21 गेंद में दो चौके और एक छक्के की मदद से 31 रन की पारी खेली। वहीं, श्रेयस अय्यर ने 37 गेंद में पांच चौके और दो छक्के की मदद से 53 रन बनाए। ऑस्ट्रेलिया की ओर से जेसन बेहरनडॉर्फ और बेन ड्वारशुइस ने दो-दो विकेट लिए। वहीं, एरॉन हार्डी, नाथन एलिस और तनवीर सांघा को एक-एक विकेट मिला।

जवाब में ऑस्ट्रेलिया की टीम 20 ओवर में आठ विकेट पर 154 रन ही बना सकी। उसके लिए बेन मैकडरमॉट ने सबसे ज्यादा 54 रन बनाए, लेकिन वह टीम को जीत नहीं दिला सके। ट्रेविस हेड ने 28 और मैथ्यू वेड ने 22 रन बनाए। टिम डेविड 17 और मैथ्यू शॉर्ट 16 रन बनाकर आउट हुए। एरॉन हार्डी छह और जोश फिलिप चार रन ही बना सके। भारत के लिए मुकेश कुमार ने सबसे ज्यादा तीन विकेट लिए। अर्शदीप सिंह और रवि बिश्नोई को दो-दो सफलता मिली। अक्षर पटेल ने एक विकेट लिया।

RESIDENTIAL PLOTS
FOR SALE

तुरन्त रजिस्ट्री। तुरन्त पजेशन

PLOT SIZE:-
12*50 = 600, SQFT
15*40= 600SQFT
15*50= 750SQFT
20*50= 1000 SQFT

1111/- SQFT

Book an appointment now:
8889066688, 9109639404

WWW.GATEWAYGHAR.IN

एमपी के सीएम पर दिल्ली में होगा मंथन

रेस में 5 चेहरे; चुनाव जीते केंद्रीय मंत्री और सांसदों की संसद सदस्यता पर होगा निर्णय

मध्य प्रदेश में विधानसभा चुनाव में मिली प्रचंड जीत के बाद भाजपा के सभी केंद्रीय पदाधिकारी और मंत्री दिल्ली पहुंच गए हैं। बताया जा रहा है कि वहां आज देर शाम तक भाजपा संसदीय दल की बैठक हो सकती है। बैठक में मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ और राजस्थान के मुख्यमंत्री के नाम पर चर्चा हो सकती है।

मप्र की 163 सीटें जीतकर बीजेपी ने दो तिहाई से ज्यादा बहुमत हासिल किया है। अब सीएम को लेकर चर्चाएं शुरू हो गई हैं। मौजूदा सीएम शिवराज सिंह चौहान सहित आधा दर्जन नेता सीएम पद के दावेदार हैं। ऐसा इसलिए क्योंकि बीजेपी ने इस बार किसी एक नेता को सीएम का चेहरा नहीं बनाया। बल्कि, सामूहिक नेतृत्व में चुनाव लड़ा और थीम रखी **एमपी के मन में मोदी....मोदी के मन में एमपी** अब बहुमत मिलने के बाद नए मुख्यमंत्री का फैसला होना है।

संसद का शीतकालीन सत्र शुरू

संसद का शीतकालीन सत्र आज से शुरू हो रहा है। इसमें भाग लेने के लिए केंद्रीय मंत्री नरेन्द्र सिंह तोमर, ज्योतिरादित्य सिंधिया और प्रहलाद पटेल रविवार को ही दिल्ली पहुंच गए थे। एमपी से विधानसभा का चुनाव जीते नरेंद्र सिंह तोमर और प्रहलाद पटेल सीएम की रेस में हैं। जबकि ज्योतिरादित्य सिंधिया, कैलाश विजयवर्गीय, बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष वीडी शर्मा भी मुख्यमंत्री के दावेदार हैं।

शाम को हो सकती है संसदीय दल की बैठक

आज शाम को दिल्ली में बीजेपी संसदीय बोर्ड की बैठक हो सकती है। इस बैठक में मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़ और राजस्थान के मुख्यमंत्रियों को लेकर चर्चा हो सकती है। एमपी के प्रदेश प्रभारी भूपेंद्र यादव और सह प्रभारी अश्विनी वैष्णव एमपी को लेकर पीएम नरेंद्र मोदी, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और बीजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्?डा से चर्चा कर सकते हैं।

बीजेपी नियुक्त करेगी पर्यवेक्षक

मप्र के मुख्यमंत्री को लेकर बीजेपी जल्द ही पर्यवेक्षकों की नियुक्ति कर सकती है। ये पर्यवेक्षक एमपी के विधायक दल की बैठक लेकर विधायक दल के नेता का चयन करेंगे। इसी बैठक के बाद एमपी का मुख्यमंत्री तय हो जाएगा।

केंद्रीय मंत्रियों और सांसदों पर होगा फैसला

एमपी के विधानसभा चुनाव में दो केंद्रीय मंत्री सहित कुल 5 सांसदों ने जीत हासिल की है। अब इन मंत्री और सांसदों को अपनी संसद की सदस्यता 14 दिनों के अंदर छोड़नी होगी। यदि वे संसद की सदस्यता नहीं छोड़ते हैं तो 14 दिनों के बाद अपने आप सदस्यता समाप्त हो जाएगी। ऐसे में संभव है कि दो केंद्रीय मंत्री प्रहलाद पटेल, नरेंद्र सिंह तोमर और सांसद राकेश सिंह, रीति पाठक व राव उदय प्रताप सिंह संसद की सदस्यता से इस्तीफा दे दें। क्योंकि, अगले पांच महीनों में लोकसभा के चुनाव होने हैं।

शिवराज को मिलेगा पांचवां कार्यकाल

साल 2003 में बीजेपी ने दिग्विजय सिंह की सरकार को परास्त कर एमपी की 165 सीटें जीतकर रिकॉर्ड बनाया और सत्ता में काबिज हुई। सीएम बनी उमा भारती और फिर उनके इस्तीफे के बाद बाबूलाल गौर और उनके बाद 2005 में मप्र के मुख्यमंत्री बने शिवराज सिंह चौहान... 2003 में सत्ता में आने के बाद से लगातार 2008, 2013 के चुनाव जीतते हुए 2018 तक बीजेपी सरकार में रही।

15 साल बाद उलटफेर हुआ और कांग्रेस सत्ता में आई, लेकिन कमलनाथ के नेतृत्व में बनी सरकार महज 15 महीने ही चल पाई। और दलबदल के बाद शिवराज सिंह चौहान चौथी बार मुख्यमंत्री बन गए। इस बार बीजेपी को 2003 जैसी जीत मिली है। अब मप्र के मुख्यमंत्री को लेकर जनता के मन में सवाल उठ रहे हैं। सवाल भी इसलिए क्योंकि बीजेपी ने इस बार किसी एक नेता को मुख्यमंत्री का चेहरा घोषित किए बिना सामूहिक नेतृत्व में चुनाव लड़ा।

30 साल बाद एक बार फिर कांग्रेस मुक्त इन्दौर

इन्दौर की 9 सीटों पर भाजपा की जीत

विधानसभा चुनाव में इंदौर में भाजपा ने सभी 9 सीटें जीत ली हैं। भाजपा ने 9-0 स्कोर के साथ जिले में विलन स्विप किया है। 1993 में भी पार्टी ने सभी सीटें जीती थीं। पार्टी महासचिव कैलाश विजयवर्गीय पहली बार विधानसभा चुनाव में 50 हजार से ज्यादा वोटों से जीते हैं। यह उनका सातवां चुनाव था।

इंदौर-1 हॉट सीट से भाजपा के कैलाश विजयवर्गीय 57719 हजार वोटों से जीत गए हैं। उन्हें 156960 वोट मिले हैं। उनके सामने कांग्रेस विधायक संजय शुक्ला थे उन्हें 99 हजार 241 वोट मिले हैं। पार्टी की जीत पर भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव कैलाश विजयवर्गीय का बयान आया है। उन्होंने जीत का श्रेय लाड़ली बहना को दिए जाने के सवाल पर कहा कि ये योजना राजस्थान में थी क्या, छत्तीसगढ़ में थी क्या। फिर भी वहां भाजपा जीती है। सभी जगह मोदी मैजिक है।

इंदौर-2 से रमेश मेंदोला ने 2018 में जीत का रिकॉर्ड तोड़ दिया है। जीत का अंतर 103481 वोट रहा। पिछले चुनाव में मेंदोला 71011 वोटों से जीते थे। मेंदोला ने जीत के पुराने रिकॉर्ड तोड़ दिए हैं। वे 1 लाख 6 हजार 563 वोटों से चुनाव जीते हैं। ये प्रदेश की सबसे बड़ी जीत है। दूसरे नंबर पर मुख्यमंत्री शिवराजसिंह चौहान रहे।

इंदौर-3 से भाजपा के गोलू राकेश शुक्ला 14667 वोटों से जीत गए। कुल 73291 वोट मिले जबकि निकटतम प्रतिद्वंद्वी कांग्रेस के दीपक जोशी पिंटू को 58624 वोट मिले हैं। 1908 वोट नोटा में गए। गोलू शुक्ला ने कहा बाबा महाकाल स्वयं यहां चुनाव लड़ रहे थे। उन्होंने ही टिकट दिलाया था और उन्हीं की जीत है।

इंदौर-4 में मालिनी गौड़ 69837 वोटों से चुनाव जीत गई हैं। 118870 वोट मिले हैं। निकटतम प्रतिद्वंद्वी कांग्रेस के राजा मंधवानी को 49033 वोट मिले। मालिनी गौड़ ने कहा यह जीत राष्ट्रवाद और सनातन धर्म की जीत है। हम जनता के साथ 24 घंटे खड़े रहते हैं यह उसकी जीत है।

इंदौर-5 में लगातार उलटफेर के बाद महेंद्र हार्डिया 15404 वोटों से चुनाव जीत गए। यहां पहले राउंड से आगे चल रहे भाजपा के महेंद्र हार्डिया 8वें राउंड में कांग्रेस के सत्यनारायण पटेल से 2871 वोटों से पिछड़ गए थे। यहां हार्डिया को 143449 वोट मिले हैं। जबकि पटेल को 128045 वोट मिले हैं। जीत पर महेंद्र हार्डिया ने कहा हमने विधानसभा में जो विकास कार्य किया है यह उसका परिणाम है।

सांवेर से मंत्री तुलसी सिलावट भी 62 हजार से ज्यादा वोटों से जीत गए हैं। उन्होंने कांग्रेस की रीना बौरासी को हराया। बौरासी को 76422 वोट ही मिले थे। तुलसी सिलावट ने कहा भाजपा की ओर से प्रदेश की जनता का आभार। अब कुछ बोलने के लिए नहीं बचा जनता ने सब बोल दिया है।

महू से मंत्री उषा ठाकुर 34075 वोटों से जीत गईं। उन्हें 102130 वोट मिले। कांग्रेस के बागी और निर्दलीय प्रत्याशी अंतरसिंह दरबार 68055 वोटों के साथ दूसरे नंबर पर रहे। कांग्रेस के रामकिशोर शुक्ला को 28660 वोट ही मिले। वे तीसरे नंबर पर रहे। मंत्री उषा ठाकुर ने कहा विधानसभा में निजी स्वार्थों के कारण कृत्रिम वातावरण खड़ा किया जा रहा था। जिसका जवाब मतदाताओं ने दे दिया है।

देपालपुर से भाजपा के मनोज पटेल 13892 वोटों से जीत गए। उन्हें 94989 वोट मिले हैं, उनके निकटतम प्रतिद्वंद्वी कांग्रेस के विधायक विशाल पटेल को 81097 वोट मिले। यहां निर्दलीय राजेंद्र चौधरी को भी 37741 वोट मिले। बगावत के बावजूद भाजपा ने सीट कांग्रेस से छीनी है।

राऊ से भाजपा के मधु वर्मा 35489 वोटों से जीत गए। उन्हें 150107 वोट मिले। निकटतम प्रतिद्वंद्वी और पूर्व मंत्री जीतू पटवारी को 1 लाख 14 हजार 618 वोट ही मिले। मधु वर्मा ने कहा मैं पिछला चुनाव हार गया था। लेकिन मैंने हार नहीं मानी और कार्यकर्ताओं के बीच रहा। संगठन जब मजबूत होता है तो ऐसे ही परिणाम आते हैं।

हुकमचंद मिल में जुटे मजदूर, बकाया राशि मिलने का जश्न मनाया

इंदौर 7 हुकमचंद मिल मजदूरों की साप्ताहिक बैठक रविवार को मिल में हुई। इसमें सैकड़ों मजदूर शामिल हुए। 218 करोड़ का भुगतान करने के कोर्ट के आदेश और अगले ढाई महीनों में खातों में बकाया राशि पहुंचने की उम्मीद में ये एकत्र हुए। सभी ने मिठाई बांटकर जश्न मनाया।

बैठक में मजदूरों के अधिवक्ता गिरीश पटवर्धन और धीरज सिंह पंवार भी शामिल हुए। उन्होंने सभी को बताया कि पैसा कब और कैसे वितरित किया जाएगा। बैठक में स्वाति काशिद, हरनामसिंह धालीवाल, नरेंद्र श्रीवंश, किशनलाल बोखरे आदि भी उपस्थित थे।

विजयवर्गीय बोले- जहां लाडली बहना नहीं थी,वो राज्य भी जीते-मप्र में जीत का श्रेय PM मोदी को दिया

मप्र, राजस्थान और छत्तीसगढ़ में भाजपा को मिले प्रचंड बहुमत को लेकर भाजपा के वरिष्ठ नेता कैलाश विजयवर्गीय ने बड़ा बयान दिया है। उन्होंने लाडली बहना योजना के गेम चेंजर होने के सवाल पर कहा कि कुछ लोग दरबारी पत्रकार जैसे सवाल पूछते हैं। राजस्थान और छत्तीसगढ़ में तो लाडली बहना नहीं हैं, लेकिन हमें वहां भी जीत मिली है। तीन राज्यों में जीत का श्रेय उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, गृह मंत्री अमित शाह और राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्?डा को दिया है। विजयवर्गीय के इस तल्ख बयान के राजनीतिक गलियारों में कई अर्थ निकाले जा रहे हैं।

उन्होंने कहा कि जिस दिन (14 नवंबर) इंदौर में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का रोड शो हुआ था, उस दिन मैंने बयान दिया था कि हम इंदौर की सभी नौ और प्रदेश में 160 से ज्यादा सीटें जीतेंगे। मैंने कहा था कि हम मालवा में सबसे ज्यादा वोटों से जीतेंगे, वह रिकॉर्ड तोड़ा। छत्तीसगढ़ में हमारी ग्रेट विक्ट्री है जिसकी हमें खुद कल्पना नहीं थी। राजस्थान में भी अच्छी जीत हासिल की है। इस तरह तीन राज्यों से सरकार बनाना साफ दिखाई देता है कि हम अगला लोकसभा चुनाव 400 से ज्यादा सीटों से जीतेंगे।

मोदी के मन में मप्र और मप्र के मन में मोदी

उन्होंने कहा हमने पहले ही कहा था कि हम सफाई में नंबर-1 हैं और राजनीतिक सफाई में भी इंदौर नंबर-1 रहेगा। उन्होंने जीत के आधार को लेकर कहा कि मोदी के मन में मप्र और मप्र के मन में मोदी हैं। मप्र की जनता ने महसूस किया है कि अगर किसी ने विकास किया है तो वह भाजपा ने। मप्र में विकास को लेकर चाहे सड़क हो, बिजली हो, महिला सुरक्षा हो, गरीब कल्याण की योजना हो.,इसका श्रेय किसी को जाता है तो वह प्रधानमंत्री मोदी जी हैं, जिनके नेतृत्व पर लोगों को विश्वास है। मप्र, राजस्थान, छत्तीसगढ़ में हमें जो बड़ी जीत मिली है उसका श्रेय मोदी जी के नेतृत्व, अमित शाह की रणनीति और नड्?डा जी की संगठन शक्ति को जाता है।

मालवा-निमाड़ में सबसे ज्यादा जीत

उन्होंने कहा कि मैं एक साल से मालवा-निमाड़ में काम कर रहा था और उद्देश्य यही था कि इस बार हम यहां ज्यादा से ज्यादा सीटें जीतने का प्रयास करेंगे। यह इलाका पिछली बार हमारे लिए नुकसानदायक रहा था। हमने एक साल से कोशिश की और मालवा-निमाड़ से सबसे ज्यादा जीत मिली है। उन्होंने कहा कि रमेश मेंदोला एक लाख वोट से, मालिनी गौड़ 1 लाख वोट से, सीएम शिवराज जी भी एक-डेढ़ लाख के आसपास जीतेंगे। जनता का यह प्यार एक बार में नहीं मिलता। हम लगातार जनता की सेवा कर रहे हैं।

कांग्रेस नेताओं को जमीनी अंदाज नहीं था

मप्र का मुख्यमंत्री कौन होगा? इस सवाल के जवाब में उन्होंने कहा कि भाजपा का कोई भी कार्यकर्ता मुख्यमंत्री होगा इसके बारे में दिल्ली से हाईकमान ही फैसला लेगा। उन्होंने मीडिया से कहा कि आखिर जनता कांग्रेस को वोट क्यों दें? ना उनके पास नेता हैं, ना नीति है और ना ही अच्छी नीयत है। इसलिए जनता ने कांग्रेस को आइना दिखा दिया है। जनता का कांग्रेस को संदेश है कि लोकसभा में जाने से पहले इस आइने में अपना चेहरा देख लो। भाजपा की बड़ी जीत के बाद इंडिया गठबंधन की बैठक के सवाल पर उन्होंने कहा, क्या नीतीश जी, लालू जी, अखिलेश, ममता जी जाएंगे? ये सभी बहुत नाराज हैं। अब पता नहीं कौन सा नया गठबंधन बनता है। मतगणना के पहले ही कांग्रेस ने हेलिकॉप्टर व रिसोर्ट बुक कर लिए थे, इस पर उन्होंने कहा कि इसका मतलब कांग्रेस नेताओं को जमीनी अंदाज नहीं था। वे हेलिकॉप्टर में घूमते हैं, एसी रूम में रहते हैं। उन्हें जमीन हकीकत का एहसास ही नहीं था।

15 हजार लोगों ने नोटा को किया पसंद-सबसे ज्यादा 2142 नोटा इंदौर-2 में सबसे कम इंदौर-3 को मिले

इंदौर में भले ही रिकॉर्ड मतदान हुआ हो, लेकिन नोटा दबाने वाले मतदाताओं की संख्या भी कम नहीं रही। इंदौर की सभी 9 विधानसभा सीटों में 15 हजार 105 लोगों ने नोटा को पसंद किया। इसमें जहां इंदौर-2 में सबसे बड़ी जीत का रिकॉर्ड बना है, वहीं सबसे ज्यादा नोटा का विकल्प भी इंदौर-2 में चुना है।

सभी विधानसभा क्षेत्रों में 0.5 से लेकर 1 प्रतिशत लोगों ने अपनी पसंद नोटा को बताया है। कई बार प्रत्याशियों के साथ ही दलों को लेकर नाराजगी की वजह से मतदाता नोटा का प्रयोग करते हैं। कई सीटों पर तो नोटा तीसरे नंबर पर रहा है। यह निर्दलीय प्रत्याशियों से भी आगे रहा।

विधानसभा	नोटा
इंदौर-1	1384
इंदौर-2	2142
इंदौर-3	1117
इंदौर-4	1986
इंदौर-5	1549
महू	1553
सांवेर	2119
देपालपुर	1151
राऊ	2104

स्वामी,मुद्रक,प्रकाशक गोपाल गावंडे द्वारा पंकज प्रिन्टर्स एण्ड पैकेजिंग एल.यू.एन.22 सेक्टर एफ सांवेर रोड इण्डस्ट्रीयल एरिया ,इंदौर,म.प्र. एवं जी-1,कॉस्मिक रीजेन्सी 117 गोकुल नगर कनाडिया इंदौर, म.प्र. से प्रकाशित - संपादक गोपाल गावन्डे (पी.आर.बी.) एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार (समस्त विवादों का न्यायक्षेत्र इंदौर रहेगा)